प्रतिदिन अखबार
सखी
17
अमरावती, गुरुवार, 6 दिसंबर 2018

इन दिनों फिल्म 'ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान' में नजर आ रही कैटरीना कैफ ने इसमें कुछ बेहद जबरदस्त डांस नम्बर भी किए हैं और अपनी अगली फिल्म 'जीरो' में भी वह एक बेहद ग्लैमरस अवतार में नजर आने वाली हैं.

कैटरीना की डबल मेहनत

कैट का यह कहना है कि जब किसी जानकार के साथ काम करने का मौका मिलता है तो मेहनत डबल हो जाती है. 'ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान' के एक गीत 'सुरैया' में फिल्म 'धूम 3' के बाद एक बार फिर उसे आमिर खान के साथ डांस करने का मौका मिला है और उसका कहना है कि आमिर के साथ डांस करने में बेहद आनंद आता है. इतना ही नहीं, इस गीत को प्रभुदेवा ने कोरियोग्राफ किया है जिसके डांस की वह हमेशा बड़ी प्रशंसक रही हैं.

कैट ने कहा, 'वह बेहद कुशल डांसर हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं. प्रभुदेवा का गीत 'मुकाबला' हमेशा से मेरा फेवरिट रहा है. उनके डांस से कई बेजान गीतों में जान आई है.

वहीं आमिर के साथ फिर से डांस करने पर वह कहती हैं, 'पहली बार हम दोनों फिल्म' 'धूम 3' के गीत 'कमली' में एक साथ नाचे थे. आमिर के साथ डांस करना एक मजेदार अनुभव होता है. न जाने कैसे हम दोनों को सबसे मुश्किल डांस करने के लिए चुन लिया जाता है. पता नहीं यह कैसे होता है परंतु अच्छी बात है कि हम दोनों को एक-दूसरे के साथ डांस करने में बहुत आसानी होती है.

आमिर के एक खास टैलेंट के बारे में बताते हुए कैटरीना कहती हैं, 'आमिर में एक अनूठा टैलेंट है परंतु अधिकतर लोगों को इसके बारे में पता नहीं है. वह कहता है कि वह डांस में बहुत अच्छा नहीं है परंतु किसी को भी डांस करते हुए देख कर वह उसकी खामियां उसे तुरंत बता सकता है. अपनी इसी खूबी की वजह से सेट पर वह मेरा डांस कोच भी था.'

'जीरो' में भी दिखेगा कैट का जबरदस्त आइटम नम्बर

हाल ही वह इस साल की एक बड़ी फिल्म 'जीरो' में शाहरूख खान के साथ नजर आएंगी. इसमें एक फिल्म एक्ट्रेस का सोल कर रही कैट पर कैटरीना मेरी जान... नाम आइटम सॉग फिल्माया जा रहा है. कहा जा रहा है कि डांस नम्बर में उसे बेहद कातिलाना अंदाज में पेश किया जाएगा.

हर अनुभव का लुत्फ उठा रही हूं कियारा

उसने कहा, मैं सुबह कॉलेज जाती थी और शाम को किसी न किसी वर्कशाप में, उस दौरान जो भी डांस या एक्टिंग वर्कशाप चल रही थी उसमें भाग लेती थी. इस तरह साइड-बाइ-साइड मैं खुद को एक कलाकार के रूप में तैयार कर रही थी. फिर ग्रेजुएशन करते ही मैंने 'फगली' का ऑडिशन दिया और मुझे मेरी पहली फिल्म मिल गई.

बचपन से था अभिनय का शौक

कियारा बताती हैं कि उसे बचपन से ही एक्ट्रेस बनने की चाहत थी जो अब पूरी हो चुकी है. वह कहती हैं, "मैं बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थी और अक्सर आईने के सामने खड़े होकर कुछ न कुछ एक्टिंग करती रहती थी. मुझे डांस का भी शौक था. बचपन में मैं बहुत बड़ी ड्रामा क्वीन थी. मेरी रूचियां देखकर मम्मी-पापा को इस बात का एहसास हो गया था कि मैं किस दिशा में जाने वाली हूं. उन्हें इससे कोई एतराज भी नहीं था लेकिन वे चाहते थे कि पहले पढ़ाई पूरी हो, उनका कहना था कि आपके पास प्लान-बी होना चाहिए. तो उनको खुशी और उनकी इच्छा के सामने के लिए मैंने डिग्री हासिल की लेकिन मुझे शुरू से पता था कि मुझे प्लान ए यानी अभिनय ही करना है इसी वजह से पढ़ाई के साथ-साथ मैं अपने आपको अभिनय की दुनिया के लिए तैयार कर रही थी.

उसने कहा कि "मैं सुबह कॉलेज जाती थी और शाम को किसी न किसी वर्कशाप में, उस दौरान जो भी डांस या एक्टिंग वर्कशाप चल रही होती थी उसमें भाग लेती थी. इस तरह साइड बाइ साइड मैं खुद को एक कलाकार के रूप में तैयार कर रही थी. फिर ग्रेजुएशन करते ही मैंने 'फगली' का आडिशन दिया और सलेक्ट हो गई.

लास्ट स्टोरीज के जरिए चर्चा में आई कियारा जल्द ही कई और हिन्दी तथा तेलुगु फिल्मों में नजर आएंगी. इस साल वैब फिल्म लास्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय से न केवल कियारा अडवानी ने अपनी बोल्ड इमेज बनाई है बल्कि उसके बाद से ही वह अक्सर चर्चा में रहने लगी हैं. फिल्म 'फगली' के साथ शुरू हुआ उसका अभिनय सफर 'एस.एम. धोनी: एन अनटोल्ड स्टोरी', 'मशीन', लस्ट स्टोरीज और तेलुगु फिल्म भारत अने नेनू के साथ परवान चढ़ता जा रहा है. दिग्गज अभिनेता अशोक कुमार और सईद जाफरी की रिश्तेदार कियारा अब किसी परिचय की मोहताज नहीं रही. अब वह दर्शकों का संपूर्ण मनोरंजन करने वाली कलाकार बनना चाहती हैं.

रोमांचक रहा अब तक का फिल्मी सफर

कियारा मिल रही लोकप्रियता का पूरा आनंद उठा रही हैं. अपने करियर के अब तक के सफर पर उत्साहित कियारा कहती हैं, बेशक अब तक का मेरा करियर बेहद रोमांच भरा रहा है. मेरा करियर ग्राफ लगातार ऊपर की ओर जा रहा है, मैं इंडस्ट्री में अपने हर अनुभव का लुत्फ उठा रही हूं और जानती हूं कि आगे आने वाला समय मेरे लिए बड़ी संभावनाओं से भरा होगा.

मां की गोद में ही कर लिया कैमरे का सामना

बचपन की एक दिलचस्प बात बताते हुए कियारा ने कहा, बचपन में 8-9 महीने की उम्र में मम्मी के साथ बच्चों के सामान के लिए एक ऐड फिल्म की थी, उससे जुड़ा किस्सा भी दिलचस्प है. दरअसल, मम्मी और मुझे लिए एक गार्डन में घूम रही थीं. वहीं एक ऐड एजेंसी से जुड़े किसी व्यक्ति ने हमें देखा और मम्मी से पूछा कि क्या आप एक मां-बेटी के विज्ञापन में काम करेंगी. मम्मी ने मना कर दिया लेकिन वे बहुत आग्रह करने लगे. उनके बार-बार कहने पर मम्मी तैयार हो गई और इस तरह मैंने मम्मी के साथ वह विज्ञापन किया था. इसके बाद मैंने कोई ऐड नहीं किया.

आने वाली फिल्में

उसे दक्षिण की सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' की हिन्दी रीमेक 'कबीर सिंह' में शाहिद कपूर के अपोजिट लीड रोल के लिए साइन किया गया है. इसके अलावा वह करण जौहर की महत्वाकांक्षी फिल्म कलंक में भी एक छोटी परंतु अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी. इसके अलावा वह दक्षिण की फिल्मों में भी सक्रिय हैं. वह बताती हैं, मैंने एक और तेलुगु फिल्म साइन की है रामचरण के साथ उस पर मैं काम कर रही हूं. मैं बॉलीवुड और तेलुगु दोनों के दर्शकों के लिए काम करना चाहती हूं. मेरी कोशिश दोनों को बैलेंस करने की है.

साजिद की दरियादिली

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'हाऊसफुल 4' का सेट बनाते वक्त 44 वर्षीय एक असिस्टेंट वेल्डर सोलाई दुर्घटना में घायल हो गया और बाद में इलाज के दौरान उसका निधन हो गया.

सूत्रों के अनुसार इस दुख की घड़ी में साजिद ने सोलाई की पत्नी और बेटी की मदद करने की पूरी कोशिश की. घायल होते ही सोलाई को गोरेगांव के लाइफलाइन अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, परंतु वह बच नहीं सका.

उसकी बेटी दीपिका बताती है, 'मेरे पिता 25 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे थे. हमारे परिवार का वही एकमात्र सहारा थे. उनका जाना हमारे लिए एक बड़ा भावनात्मक तथा वित्तीय झटका है. साजिद सर ने डॉक्टरों की बेस्ट टीम से पिताजी का इलाज करवाया और उन्होंने हमारे परिवार की बड़ी वित्तीय सहायता भी की है. उन्होंने हमें 35 लाख रुपए ही नहीं दिए, पिता जी के इलाज पर आए 11 लाख रुपए का बिल भी उन्होंने ही भरा है.'

वह कहती हैं, "सबसे पहले मैं बी.कॉम की अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती हूं, उसके बाद देखेंगे कि आगे क्या करना है. साजिद सर ने वायदा किया है कि जरूरत पड़ी तो भविष्य में भी वह हमारी सहायता करेंगे. हम उनके दिल से आभारी हैं कि संकट की घड़ी में वह हमारे साथ खड़े रहे".

शानदार रहा मेरा सफर: जूही चावला

जूही चावला एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें इंडस्ट्री में आए 3 दशक से अधिक का समय हो चुका है. अपने समय में टॉप की हीरोइन रह चुकी जूही उम्र के इस पड़ाव में भी फिल्मों में सक्रिय हैं. यह अलग बात है कि अब वह हीरोइन वाले किरदार नहीं बल्कि सहायक किरदारों में ही नजर आती हैं. पेश हैं उनसे एक बातचीत के अंश-

सलोनी चक्रवर्ती

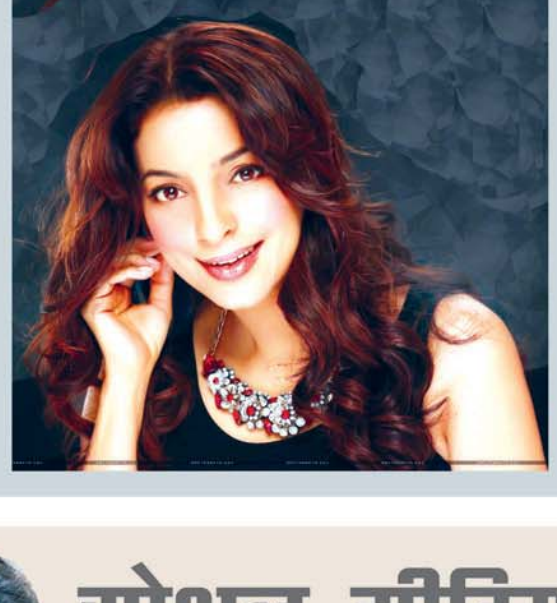

आप अपने जीवन से बहुत संतुष्ट नजर आती हैं, इसका क्या राज है?

मैं वह सब कुछ करने की कोशिश करती हूं जो मेरे गुरुओं ने मुझे सिखाया है. हमें हमेशा दूसरों का आभारी होना चाहिए. ऐसा नहीं है कि कुछ लोग ही आभारी होते हैं परन्तु आभारी लोग वे होते हैं जो खुश होते हैं. मैं इसी बात को जीवन में लागू करने की कोशिश करती हूं. जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मैंने जो भी किया वह मेरा किया हुआ नहीं था. मैंने कुछ नहीं किया था. मैं खुशकिस्मत थी कि भगवान ने सब कुछ कर दिया.

आपको इंडस्ट्री में 30 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है. इतना लम्बा समय बिताने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है.

मुझे नहीं पता कि यह क्या है. 30 वर्ष का समय बिताना बहुत ही शानदार बात है. मैं सोचा करती थी कि मैं यहां पर 30 दिन भी टिक नहीं पाऊंगी लेकिन भगवान ने यह सब कर दिखाया. उनकी नजर हमेशा मुझ पर दयालु रही है.

अपने 3 दशक के सफर को आप कैसे देखती हैं?

मेरी जिंदगी में सब कुछ हुआ सफलता, असफलता... कभी धीरे-धीरे तो कभी बहुत तेजी से मेरी जिंदगी में आती रही है. मैं सफलता को संभाल नहीं सकती थी. मैं सोचती थी कि यदि मैंने किसी फिल्म को न कह दी तो यह इंडस्ट्री बंद हो जाएगी परंतु हुआ कुछ नहीं. मेरे हाथ से कई फिल्में जाती रहीं. मेरी जिंदगी में खुशनुमा दौर भी आए और बहुत ही दुखद दौर भी. फिर भी इंडस्ट्री में मेरा सफर बहुत शानदार रहा.

आप अपनी फिल्मों में से किन फिल्मों को अपनी फेवरिट मानती हैं?

बहुत सी फिल्मों में से किन फिल्मों की बात नहीं करना चाहती. मैं उन फिल्मों की बात करूंगी जिनमें मैंने अपना दिल और आत्मा लगा दी थी. हालांकि वे कोई अधिक सफल फिल्में नहीं थीं. उस वक्त मेरी मनोस्थिति कुछ ऐसी होती थी कि मैं कहा करती- यह कैसे हो गया. यह बहुत अच्छी फिल्म थी फिर भी लोग इसे क्यों नहीं देख रहे. यदि हाल ही की बात करूं तो 'चाक एंड डस्टर' भी ऐसी ही फिल्म थी. यदि आप फिल्म देखें तो यह आपके दिल को छू जाएगी. इसकी कहानी बहुत प्यारी है. दूसरी फिल्म है. 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी' जिसमें हम सबने पूरे दिल से काम किया था. उस वक्त यह फिल्म कोई बड़ी सफल फिल्म नहीं साबित हुई थी, परंतु इसमें बहुत ही शानदार संदेश छिपे हुए थे. इसके अलावा मुझे ऋषि कपूर के साथ फिल्म 'दरार', सन्नी देओल के साथ 'अर्जुन पंडित' तथा माधुरी दीक्षित के साथ 'गुलाब गैंग' बहुत पसंद है.

'कयामत से कयामत' तथा 'हम हैं राही प्यार के' के बारे में क्या कहेंगी?

कभी-कभी जादू हो जाया करता है. जब आप ऐसी फिल्मों का निर्माण कर रहे होते हैं तो आपको पता ही नहीं चलता कि आप जादू तैयार कर रहे हैं.

आपके पसंदीदा को-स्टार्स कौन-कौन हैं?

मैं उन्हें फेवरिट नहीं कहना चाहती. वे हैं आमिर खान तथा शाहरूख खान. हमने लगभग साथ-साथ ही करियर की शुरूआत की थी और हम दोस्त बन गए थे. यदि हमसे कोई गलती हो जाती तो हम परेशान नहीं होते थे. ऋषि कपूर, अनिल कपूर तथा जैकी श्राफ मेरे फेवरिट हैं.

आपके बच्चे आपकी कौन-कौन-सी फिल्मों को पसंद करते हैं?

यह बात मुझे उनसे पूछनी पड़ेगी. उन्होंने अब तक शायद मेरी 3 फिल्में देखी होंगी. वह टी.वी. भी बहुत कम देखते हैं. मैंने कभी भी उन्हें अपनी या किसी और की फिल्में देखते हुए नहीं देखा.

सोशल मीडिया पर भी लागू हो नियम: स्वरा

स्वरा भास्कर हर मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जानी जाती हैं. अब उसने कहा कि किसी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की तरह सोशल मीडिया पर भी नागरिक आचरण लागू होना चाहिए. खुल कर अपनी बात रखने के लिए वह हमेशा से सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का शिकार होती रही हैं. इस प्रकार लोगों द्वारा आलोचनाओं से प्रभावित होने के बारे में स्वरा ने बयान में कहा, शुरूआत में मैं इससे काफी प्रभावित होती थी. मुझे काफी दुख भी होता था. किसी प्रकार के अन्याय का एहसास होता था. बाद में मुझे समझ आया कि जीवन यही है.

स्वरा ने कहा, वे न्याय की भावना से ऐसा नहीं कर रहे हैं बल्कि नफरत और निजी भड़ास निकालने के कारण ऐसा करते हैं. इसके बारे में आप क्या करेंगे? उनकी कोई पहचान नहीं है इसलिए मुझे इसकी आदत हो गई है. उसने कहा, सोशल मीडिया एक वास्तविक सार्वजनिक क्षेत्र है और अन्य किसी सार्वजनिक क्षेत्र की तरह यहां भी नागरिक आचरण लागू होना चाहिए.